Government Degree college,

Bagaha, west champaran

Subject- Political Science

T. D. C Part I (Paper II)

Important Topic

[Comparative study of the American president and the British prime Minister.]

[अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री का तुलनात्मक अध्ययन]

Head of Department

Assistant professor

AJAY KUMAR

अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री का तुलनात्मक अध्ययन

[Comparative Study of the American President and the British prime Minister]

अमेरिकी राष्ट्रपति की तुलना ब्रिटिश सम्राट् तथा ब्रिटिश सम्राट् दोनों से कर सकते हैं। ब्रिटिश सम्राट् की तरह अमेरिकी राष्ट्रपति भी राज्य का प्रधान है। सम्राट की तरह वह सरकार के 'गौरवपूर्ण' भाग का अधिष्ठाता है।

प्रो० लॉस्की ने कहा है कि राष्ट्रपति सम्राट से अधिक और कम दोनों है। अधिक इसलिए है कि राष्ट्रपति की कार्यपालिका — शक्तियाँ वास्तविक हैं, जबकि ब्रिटिश सम्राट सिर्फ नाममात्र का सांविधानिक प्रधान है। सिद्धांततः ब्रिटिश सम्राट में समस्त कार्यपालिका-शक्तियाँ निहित हैं, लेकिन वह सारा कार्य

मंत्रिमंडल के परामर्श से करता है, जो सम्राट् के प्रति उत्तरदायी है। अर्थात्, व्यवहार में सम्राट् की समस्त शक्तियों का प्रयोग मंत्रिपरिषद् करती है। वहाँ मंत्रिपरिषद् ही वास्तविक कार्यपालिका है। इसके विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति देश का वास्तविक प्रधान है। मंत्रिगण उसके 'दास' मात्र हैं, जिन्हें वह स्वेच्छा से नियुक्त तथा पदच्युत कर सकता है। ब्रिटिश सम्राट की यह शक्ति नाममात्र की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यपालिका-प्रधान के साथ-साथ विधि निर्माता तथा दलीय नेता भी है। वह ब्रिटिश सम्राट् की तरह सांविधानिक प्रधान तो है ही, साथ ही उससे अधिक ब्रिटिश प्रधानमंत्री की तरह कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान भी है। लेकिन कई दृष्टियों से वह ब्रिटिश सम्राट से कम भी है। यद्यपि वह अनेक गौरवपूर्ण तथा मर्यादापूर्ण कार्यों को संपन्न करता है, विशेष समारोहों का उद्घाटन करता है तथा विदेशी राज्याध्यक्षों का स्वागत करता है, फिर भी राष्ट्रपति के पीछे गौरव का वैसा आलोक नहीं है, जो ब्रिटिश सम्राट रखता है।

ब्रिटिश ~~सम्राट~~ सम्राट् का पद वंशानुगत है और वह दलगत राजनीति से ऊपर है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ ऐसी बात नहीं। वह सिर्फ 4 वर्षों के लिए निर्वाचित होता है और वह सभी वर्गों का विश्वासप्राप्त नेता नहीं है। यह स्थिति ब्रिटिश सम्राट् के साथ नहीं है और इस दृष्टि से ब्रिटिश सम्राट राष्ट्रपति से अधिक प्रतिष्ठावाला हो जाता है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री तथा अमेरिका का राष्ट्रपति— अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री की तुलना एक रोचक विषय है। अमेरिकी सरकार के पृथक् प्रकार तथा शक्तियों का लचीला रूप ऐसी तुलना को जटिल बना देता है और इस संबंध में विद्वान् एकमत नहीं है।

रैम्जे म्योर के विचार में, — "ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्तियाँ इतनी अधिक है कि विश्व के किसी अन्य सांविधानिक शासक को उतनी शक्तियाँ प्राप्त नहीं, यहाँ तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति को भी नहीं।"

इस संबंध में ~~ब्राइस~~ ब्राइस ने कहा है "अमेरिकी राष्ट्रपति का पद विश्व का सर्वोच्च पद है।"

आॅग और रे के विचार में, यूरोप के तानाशाहों को छोड़कर अमेरिका का राष्ट्रपति विश्व का सबसे शक्तिशाली कार्यपालिका अधिकारी हो गया है।

इस संदर्भ में प्रो० लॉस्की ने उपर्युक्त दोनों प्रतिकूल विचारधाराओं के मध्य का मार्ग अपनाया है और सही कहा है, "अमेरिकी राष्ट्रपति सम्राट् से कम या अधिक दोनों है; वह प्रधानमंत्री से भी कम या अधिक दोनों है।" इस प्रकार, ब्रिटिश तथा अमेरिकी संविधानों के विद्वान प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के संबंध में एकमत नहीं है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति में समानता — ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति में निम्नलिखित समानताएँ हैं—

1. दोनों जनता के प्रतिनिधि होते हैं।

2. दोनों की स्थिति जनतांत्रिक राज्य में सर्वो-च्च है।

3. दोनों की शक्तियाँ व्यापक हैं।

4. दोनों निश्चित की दो महान शक्तियों के कार्यपालिका के प्रधान हैं

5. दोनों जनता के प्रति उत्तरदायी शासन के संचालक हैं।

6. दोनों युद्ध तथा संकटकाल में असीमित अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधा-नमंत्री में अंतर

1. लिखित और अलिखित स्थिति — अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियाँ विधि-विहित हैं, लेकिन ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्तियाँ अभिसमयों और परंपराओं पर आधारित हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति की शक्तियों का संविधान में स्पष्ट उल्लेख कर दिया गया है, जिनका वह उल्लं-घन नहीं कर सकता और इस अर्थ में इसका अधिकार-क्षेत्र सीमित हो जाता है। इसके विपरीत, ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्तियों को किसी निश्चित विधि का रूप नहीं दिया

गया है अतः उसका अधिकार - क्षेत्र लचीला है जो समयानुसार बढ़-घट सकता है। यहाँ अमेरिकी राष्ट्रपति की तुलना में ब्रिटिश प्रधानमंत्री लाभदायक स्थिति में हो जाता है।

2. शक्तियों का पृथक्करण और शक्तियों का समन्वय — अमेरिकी संविधान शक्तियों के पृथक्करण सिद्धान्त पर आधारित है, लेकिन ब्रिटिश संविधान शक्तियों के समन्वय के सिद्धान्त पर संचालित है। परिणामस्वरूप, अमेरिका के राष्ट्रपति का अधिकार कार्यपालिका क्षेत्र तक ही सीमित है, विधायिका और न्यायपालिका पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है। इसके साथ ही नियंत्रण और संतुलन की प्रक्रिया के अंतर्गत व्यवस्थापिका और न्यायपालिका राष्ट्रपति को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होने के साथ-साथ विधायिका का भी नेता है और वह न्यायपालिका पर अपना प्रभाव डाल सकता है।

3. कार्यकाल की दृष्टि से — कार्यकाल के दृष्टि से भी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों एकदूसरे की तुलना में कम या अधिक लाभदायक स्थिति में है। अमेरिकी राष्ट्रपति का

कार्य 4 वर्ष है और इसे महाभियोग द्वारा कॉंग्रेस पदच्युत कर सकती है। इस प्रकार, राष्ट्रपति का पद 4 वर्षों के लिए कुशासन निर्वाचित होने पर 8 वर्षों के लिए सुरक्षित है। लेकिन ब्रिटिश प्रधानमंत्री का कार्यकाल लोकसभा की इच्छा पर निर्भर है, जो 5 वर्षों के लिए आम तौर से चुना जाता है। जबतक लोकसभा में इसके दल का बहुमत है, इसे कोई खतरा नहीं है।

4. <u>प्रशासन तथा राज्य की प्रधानता की दृष्टि से</u> — एक अर्थ में अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिटिश प्रधानमंत्री की अपेक्षा लाभदायक स्थिति में है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री 'कार्यक्षेत्र' मात्र का अधिकारी है, जिसका काम सिर्फ शासन करना है। ब्रिटेन में प्रतिष्ठित भाग का प्रधान राजा है, जो राष्ट्र का सांविधानिक प्रधान है। इसके विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति में सम्राट् तथा प्रधानमंत्री दोनों के पद समाहित हैं। वह राष्ट्र का सांविधानिक प्रधान तथा कार्यकारी प्रधान दोनों है। इस अर्थ में राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की तुलना में अधिक लाभदायक स्थिति में हो जाता है।

5 मंत्रिमंडल से संबंध — जहाँ तक मंत्रिमंडल से संबंध का प्रश्न है, इस दृष्टि से अमेरिकी राष्ट्रपति लाभदायक स्थिति में है। मंत्रिमंडल से अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के संबंधों की तुलना करते हुए लॉस्की ने लिखा है कि मंत्रिमंडल के सदस्य राष्ट्रपति के दास हैं और प्रधानमंत्री के सहयोगी। "राष्ट्रपति सिर्फ समकक्षों में प्रथम नहीं है; प्रधानमंत्री कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो वह परिस्थिति का पूरा स्वामी नहीं है, जिस तरह अमेरिकी राष्ट्रपति (राष्ट्रपति के परिवार में है) मंत्रिमंडल वही करता है जो राष्ट्रपति चाहता है, लेकिन इसके विपरीत, मंत्रिमंडल के संबंध में ब्रिटिश प्रधानमंत्री के हाथ बँधे हुए हैं वह अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह मंत्रियों का स्वामी नहीं है, वरन् सहयोगी है। वह अपने मंत्रिमंडल के विरुद्ध नहीं जा सकता, हालाँकि वह मंत्रिमंडल का जीवन, मृत्यु और केन्द्र है।

6. व्यवस्थापिका से संबंध की दृष्टि से— जहाँ तक व्यवस्थापिका का सवाल है, ब्रिटिश प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति से

अधिक शक्तिशाली है। ब्रिटिश प्रधान-मंत्री लोकसभा के बहुमत दल का नेता होता है, अतः वह संसद का भी नेता होता है। संसद की बैठक बुलाना, संचालन करना, विधेयक पारित करना, उसे कानून का रूप देना तथा लोकसभा को भंग करना उसके कार्य है लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ ऐसी बात नहीं।

7. <u>कार्यपालिका-संबंधी अधिकार की दृष्टि से-</u>

इस संबंध में लॉर्डमैन का कहना है, ब्रिटिश प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति से ज्यादा शक्तिशाली है क्योंकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्तियाँ परंपरा की देन है, लेकिन अमरीकी राष्ट्रपति की शक्तियाँ संविधान में स्पष्टतः उल्लिखित है। जनमत के पक्ष में रहने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री की शक्ति असीमित हो जाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति पर कांग्रेस का नियंत्रण है। इसके अलावा कांग्रेस की विभिन्न समितियाँ सदा राष्ट्रपति के कार्य-क्षेत्र में हस्तक्षेप करती रहती है। अतः दलीय बहुमत और जनता का समर्थन प्राप्त रहने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री की कार्यपालिका-शक्तियाँ अमेरिकी राष्ट्रपति से बढ़ जाती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की संधियों, नियुक्तियों तथा प्रशासन संबंधी निर्णयों की स्वीकृति सीनेट से लेनी पड़ती है।

8. न्यायालय से संबंध की दृष्टि से—

अमेरिकी न्यायालय राष्ट्रपति पर नियंत्रण का कार्य करता है तथा राष्ट्रपति द्वारा लिए गए निर्णयों को अवैध घोषित कर सकता है। इसके विपरीत, ब्रिटेन में प्रधानमंत्री & लॉर्ड चांसलर तथा प्रिवी कौंसिल के अन्य सदस्यों के द्वारा, जो मंत्रीमंडल में रहते हैं, न्यायपालिका को प्रभावित कर सकते हैं तथा न्यायपालिका के किसी भी निर्णय को संसद द्वारा रद्द घोषित करता सकता है।

9. वित्तीय क्षेत्र में भिन्नता — ब्रिटेन में वित्त-मंत्री बजट बनाता है और लोकसभा के समुख प्रस्तुत करता है। कॉमन-सभा में उसके दल का बहुमत होने पर वित्त विधेयक सरलता से पारित हो जाते हैं और प्रधानमंत्री का वित्त पर पूरा अधिकार रहता है। अमेरिका में ऐसी स्थिति नहीं है। वहाँ राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित ~~कार्य~~ कराए गए बजट में प्रतिनिधि-सभा या सीनेट कटौती कर सकती है। अनेक बार कॉंग्रेस ने बजट में कटौती करके राष्ट्रपति

की इच्छा के विरुद्ध कार्य किया है।
इस संबंध में रैम्जे म्योर ने लिखा है, "लोकसदन में बहुमत प्राप्त प्रधानमंत्री जो कुछ कर सकता है, कोई राष्ट्रपति नहीं कर सकता।"

निष्कर्ष – निष्कर्षतः यह कहना कठिन है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री और अमेरिकी राष्ट्रपति में शक्तिशाली कौन है। दोनों एक-दूसरे से अधिक या कम है।

लॉस्की ने कहा है कि गृहयुद्ध के बाद सिर्फ चार राष्ट्रपति ही ब्रिटिश प्रधानमंत्रीयों के योग्यता के हुए हैं, जबकि मुनरों बिल्कुल विरोधी मत दिया है। उसका कहना है कि वालपोल से चेम्बरलेन तक आधे प्रधानमंत्री भी ब्राइस के अमेरिकी राष्ट्रपति के मापदंड तक नही पहुंच सके। सही अर्थ में दोनों की शक्ति कुछ बातों में और कुछ समयों में एक दूसरे से अधिक और कम है।